



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 356 अ]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 5, 1981/कार्तिक 14, 1903

No. 356 A] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 5, 1981/KARTIKA 14, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

ऊर्जा मंत्रालय

(विद्युत विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1981

सा० का० नि० 577A(अ)—केन्द्रीय सरकार, विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 (1948 का 51) की छठी अनुसूची के पैरा VI के उप-पैरा (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकरण में परामर्श करने के पश्चात् यह अधिसूचित करती है कि अनुज्ञापिधारी अवक्षयण के लिए प्रति वर्ष ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा, जो निम्नलिखित सिद्धान्तों के अनुसार संगणित की जाएगी, अर्थात्:—

1. अनुज्ञापिधारी द्वारा अवक्षयण की व्यवस्था करना — (क) अनुज्ञापिधारी अवक्षयण के लिए —

(i) ऐसी राशि की व्यवस्था करेगा जो यदि समस्त विहित अवधि के दौरान प्रति वर्ष अर्पण कर दी जाती है और जिसका 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से सकृद्वृद्धि व्याज संभव किया जाता है, तो विहित अवधि की समाप्ति पर, उपक्रम की वृद्धियों में पहले बढ़े-छाने वाली गई और अर्पण कर दी गई राशि को हिमाव में लेने के पश्चात् आस्ति की मूल लागत के सब्जे प्रतिशत के बराबर राशि हो जाएगी। संश्लिष्ट प्रतिशेन पर वार्षिक व्याज, राजस्व में से और वार्षिक धृद्धि निशेन में से स्वर्च के रूप में अनुज्ञान किया जाएगा, या

(ii) ऐसी राशि की व्यवस्था की जाएगी, जो विहित अवधि से, आस्ति की मूल लागत के सब्जे प्रतिशत को स्वभाजित करके निकाली है।

परन्तु यदि किसी अनुज्ञापिधारी ने, विद्युत (प्रदाय) संगोद्यन अधिनियम, 1978 (1978 का 23) के प्रारम्भ के पूर्व किसी विशिष्ट परधान का विकल्प ले लिया है, तो वह उसी पद्धति का अनुसरण करेगा रहेगा।

(ख) यदि कोई नियत आस्ति अग्रचलन, अपर्याप्तता, अनिरेक या अन्य किसी कारणवश उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं रह जाती है तो अनुज्ञापिधारी की वृद्धियों में यह वणित किया जाएगा कि अब वह प्रयुक्त नहीं होगी है और उसकी बाबत और अवक्षयण राजस्व मटे प्रभार के रूप में अनुज्ञान नहीं किया जाएगा।

(ग) यदि उपक्रम की वृद्धियों में कोई अग्रति, उसकी मूल लागत के 10 प्रतिशत या उससे कम तक हृमित कर दी गई है, तो उस आस्ति की बाबत और अवक्षयण अनुज्ञान नहीं किया जाएगा।

(घ) अवक्षयण की बकाया, विहित अवधि को शेष अवधि पर समीकृत संदायों द्वारा बढ़े-छाने वाली जा महंगी।

2. अवक्षयण के सिद्धान्तों के लागू होने की अवधि:—ये सिद्धान्त क्रमशः अप्रैल, 1980, 1981 के पहले दिन से प्रारम्भ होने वाले और मार्च, 1981, 1982 के 31वें दिन को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के अवक्षयण के प्रभारण को लागू होंगे।

स्पष्टीकरण:—इस अधिसूचना में, "विहित अवधि" से, इस अधिसूचना की अनुसूची में विनिर्दिष्ट आस्तियों के सम्बन्ध में, ऐसी आस्ति के सम्बन्ध में उससे विनिर्दिष्ट वर्षों की संख्या या अवधि, जो प्रत्येक दशा में, उस लेखा वर्ष के ठीक अगले लेखा वर्ष से प्रारम्भ होगी, जिसमें वास्तव में उपयोग के लिए विशिष्ट आस्ति उपलब्ध हुई थी, अभिप्रेत है।

| अनुसूची | आहित का वर्णन | वर्षों की संख्या या अवधि |
|--|---|--------------------------|
| आस्ति का वर्णन | फार्म (जिसके अंतर्गत आधार भी है) | |
| क. पूर्ण हक वाली स्वामित्वाधीन भूमि | (ii) अन्य | पच्चीस |
| ख. पट्टे के अधीन भाग्य भूमि— | (ख) स्थलांतर, जिसके अंतर्गत भूमि कनेक्शन भी है | तीस |
| (क) भूमि में निगिदान के लिए | (घ) (च) नष्टि प्रगति— | |
| (ख) स्थान की मर्याद करने की लायत के लिए | (i) स्टेशन टाइप | बीस |
| | (ii) गोल टाइप | पन्द्रह |
| | (iii) तुल्यकाली संचालन | पैंतीस |
| | (द) वैदिया | दस |
| ग. नई अथवा गैर आस्ति— | (अ) (i) भूमिगत केवल जिनके अंतर्गत संधि बाकस और विद्युत् लाकस भी हैं। | सार्धस |
| (क) जनन क्षेत्रों में स्थित और मशीनरी, जिसके अंतर्गत सयंत्र आधार भी है | (ii) खेल डस्ट प्रणाली | साठ |
| (i) जल-विद्युत | पैंतीस | |
| (ii) वाष्प-विद्युत | पच्चीस | |
| (iii) टोर्जन-विद्युत | पन्द्रह | |
| (ख) शीतल टाइप और परिवहारी जल पद्धति | (i) 66 किलावाट से उच्चतर नामीय वास्तुओं पर प्रचालन करने वाले संविशेषित इन्पुट टैको पर लाहने। | पैंतीस |
| (ग) द्रव्यावित्त स्वयं या जल विद्युत पद्धति का भाग है, जिनके अंतर्गत निम्नलिखित भी हैं— | (ii) 13 2 किलावाट से उच्चतर नामीय किन्तु 66 किलावाट से अधिक नामीय वास्तुओं पर प्रचालन करने वाले इन्पुट टैको पर लाहने। | तीस |
| (i) आग अधिलेख मार्ग, वित्तिकाएँ एक ही और नष्ट पद्धति कर्षाट पद्धति-विद्युत और वाष्प-विद्युत | (iii) इन्पुट या पद्धति इन्पुट टैको पर लाहने। | पच्चीस |
| (ii) प्रचालित कर्षाट पाठ्य-पद्धति, चार्जिंग और महासि टैको, इन्पुट पाठ्य लाहने, ग्लोबल द्वारा इन्पुट महासि टैको, द्रव्यावित्त नियंत्रण वाल्व और अन्य द्रव्यावित्त गकर्म | (iv) परिशिष्टित वाष्प टैको पर लाहने | बीस |
| (घ) स्थाई प्रकृति के भवन और निविल इंजीनियरी संकर्म, जो उपर उल्लिखित नहीं किए गए हैं— | (अ) मोटर | पन्द्रह |
| (i) कार्यालय और प्रवर्तन कक्ष | (ब) स्वतंत्रित यान | सात |
| (ii) जिसमें ताप-विद्युत जनन भी संयुक्त है | (क) नैतिक मशीन प्रोत्तर | तीस |
| (iii) जिसमें जल-विद्युत जनन पैंतीस संयुक्त है | (ख) वातानुकूलन संयंत्र— | |
| (iv) अस्थाई निर्माण जैसे काफ़ी पाक संरचनाएं | (i) स्थैतिक | पन्द्रह |
| (v) कच्चे मागों से मिले मार्ग | (ii) सुबाह्य | सात |
| (vi) अन्य | (अ) (i) कार्यालय कर्तव्य और फिटिंग | बीस |
| (क) ट्रांसफार्मर, ट्रांसफार्मर क्रियोस्क, उप-स्टेशन उपस्कर और अन्य नियत माध्यम (जिसके अंतर्गत सयंत्र आधार भी है) — | (ii) कार्यालय उपस्कर | दस |
| (i) 100 किलावाट एम्पियर और उससे अधिक की क्षमता वाले ट्रांस- | (iii) आन्तरिक तार लगाना, जिनके अंतर्गत फिटिंग और माध्यम भी हैं | पन्द्रह |
| | (iv) सड़क प्रकाश फिटिंग | पन्द्रह |
| | (ख) नष्टि पर दिए गए माध्यम | |
| | (i) मोटरों से मिले | सात |
| | (ii) साटरे | बीस |
| | (ग) संचार उपस्कर— | |
| | (i) रेडियो तथा उच्च आवृत्ति वाहक पद्धति | पन्द्रह |

| आस्ति का वर्णन | वर्षों की संख्या या अवधि |
|--|---|
| (ii) टेलीफोन लाइनें और टेलीफोन वायर | दोस |
| (ख) पूर्व-प्रयुक्त तय की गई आस्तियां और ऐसी आस्तियां जिनके लिए इस अनुसूची में व्यवस्था उपलब्ध नहीं की जा सका है। | ऐसी व्यक्तिगत अवधि जो राज्य सरकार द्वारा तय की जायेगी। |
| | अर्जन के समय उनके मूल्य और उपा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक मामले में व्यवहारित करें। |

[फा० सं० 9/21/79-डी० आई/एम० ई० बी०]

एम० रमेश, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th November, 1981

G. S. R. No. 5774(E)....In exercise of the powers conferred by Sub-paragraph (a) of paragraph VI of the Sixth Schedule to the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government, after consultation with the Authority, hereby notifies that the licensee shall provide for depreciation such sum as is calculated in accordance with the following principles, namely:—

1. Providing of depreciation by licensees—(a) The licensee shall provide for depreciation.

(i) such an amount as would, if set aside annually throughout the prescribed period and accumulated at compound interest at 4 per cent per annum, produce by the end of the prescribed period an amount equal to ninety per cent of the original cost of the asset after taking into account the sums already written off or set aside in the books of the undertaking. Annual interest on the accumulated balance will be allowed as an expense from revenue as well as the annual incremental deposit, or

(ii) such an amount as is arrived at by dividing ninety per cent of the original cost of the asset by the prescribed period.

Provided however, that if a licensee has already opted for a particular method before the commencement of the Electricity (Supply) Amendment Act, 1978 (23 of 1978), he shall continue to follow the same method.

(b) Where any fixed asset ceases to be available for use through obsolescence, inadequacy, superfluity or for any other reason, it shall be described in the books of the licensee as no longer in use and no further depreciation in respect thereof shall be allowed as a charge against revenue.

(c) When any asset has been written down in the books of the undertaking to 10 per cent or less of its original cost, no further depreciation shall be allowed in respect of that asset.

(d) Arrears of depreciation may be written off by equated payments over the remainder of the prescribed period.

2. Period of application of the principles of depreciation—

These principles shall apply to the charging of depreciation for the accounting years commencing on the 1st day of April, 1980

1981 and ending on the 31st day of March, 1981 and 1982 respectively.

Explanation:—In this notification "prescribed period" means—in respect of assets specified in the Schedule to this notification, the number of years or period specified therein, in relation to such asset running in each case from the beginning of the year of account next following that in which the particular asset became available for use in the Business.

SCHEDULE

| Description of asset | Number of years or period |
|--|--|
| A. Land owned under full title | Infinity |
| B. Land held under lease— | The period of the lease, or the period remaining unexpired on the assignment of the lease. |
| (a) for investment in the land. | |
| (b) for cost of clearing site | The period of the lease remaining unexpired at the date of clearing the site. |
| C. Assets purchased new— | |
| (a) Plant and machinery in generating stations, including plant foundations— | |
| (i) hydro-electric | Thirty-five |
| (ii) steam-electric | Twenty-five |
| (iii) diesel-electric | Fifteen |
| (b) Cooling towers and circulating water systems | Thirty |
| (c) Hydraulic works forming part of a hydroelectric system, including— | |
| (i) dams, spillways, weirs, canals, reinforced concrete flumes and siphons | One hundred |
| (ii) reinforced concrete pipe-line and surge tanks, steel pipe-lines, sluice gates, steel surge tanks, hydraulic control valves and other hydraulic works. | Forty |
| (d) Buildings and civil engineering works of a permanent character, not mentioned above— | |
| (i) offices and showrooms | Fifty |
| (ii) containing thermoelectric generating plant. | Thirty |
| (iii) containing hydroelectric generating plant | Thirty-five |
| (iv) temporary erection such as wooden structures | Five |
| (v) roads other than kuccha roads | One hundred |
| (vi) others | Fifty |
| (e) Transformers, transformer kiosks, sub-station equipment and other fixed appa- | |

| Description of asset | Number of years or period | Description of asset | Number of years or period |
|--|---------------------------|---|--|
| ratus (including plant foundations) | | (j) Metres | Fifteen |
| (i) transformers (including foundations) having a rating of 100 kilovolt amperes and over | Thirty-five | (k) self-propelled vehicles | Seven |
| (ii) others | Twenty-five | (l) Static machine Tools | Twenty |
| (f) Switchgear, including cable connections. | Twenty | (m) Air conditioning plant | |
| (ff) Lighting arrestors— | | (i) Static | Fifteen |
| (i) Station type | Twenty | (ii) Portable | Seven |
| (ii) pole type | Fifteen | (n) (i) Office furniture and fittings. | Twenty |
| (iii) synchronous condensers | Thirty-five | (ii) Office equipment | Ten |
| (g) Batteries | Ten | (iii) internal wiring, including fittings and apparatus. | Fifteen |
| (h) (1) Underground Cable including joint boxes and dis-connecting boxes. | Forty | (iv) Street-light fittings | Fifteen |
| (2) Cable duct system | Sixty | (o) Apparatus let on hire | |
| (i) Overhead lines, including supports— | | (i) other than motors | Seven |
| (i) lines on fabricated steel supports operating at nominal voltages higher than 66 kilovolts. | Thirty-five | (ii) motors | Twenty |
| (ii) lines on steel supports operating at nominal voltages, higher than 13.2 kilovolts but not exceeding 66 kilovolts. | Thirty | (p) Communication equipment | |
| (iii) lines on steel or reinforced concrete supports. | Twenty-five | (i) Radio and high frequency carrier system | Fifteen |
| (iv) lines on treated wood supports. | Twenty | (ii) Telephone lines and telephones. | Twenty |
| | | D Assets purchased second hand and assets not otherwise provided for in this Schedule | Such reasonable period as the State Government determines in each case having regard to the nature, age and condition of the asset at the time of its acquisition by the owner |

[F. No. 9/21/79-D. 1/ESB.]

S. RAMESH, Jr. Secy.